तौबा और इस्तेग्फार

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

'नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.'

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

तौबा ही असल है जब आदमी अपनी इस्लाह के लिए कदम रखता है और अल्लाह की नज़दीकी हासिल करने के लिए अल्लाह वालो के साथ अपना ताल्लुक कायम करता है तो सबसे पहले वो तौबा ही करते है अहले इरादत का अव्वलीन कदम तौबा है बुजरुगो के पास जब आप बैत होने के लिए जाते है ताके उनकी निगरानी और सरपरस्ती मै अल्लाह तक पोहचे चुके वो इस रास्ते के उंच नीच से वाकिफ है एक आदमी जो रह चल चूका हो उसके साथ नए लोग चलने की कोशिश करते है ताके उसके लिए आसानी रहे लिहाजा उनकी निगरानी और सरपरस्ती मै जब सिलसिला शुरू किया जाता है तो सुलूक की सबसे पहली मंज़िल तौबा है के अब तक जो गुनाह हुवे है उससे तौबा करो और आईन्दा के लिए पक्का इरादा करो के अब मै उन गुनाहो को नहीं करूँगा यही तकमीले तौबा है ये तौबा की सबसे पहली मंज़िल है.

1} बुखारी व मुस्लिम, रावी हज़रत अनस बिन मालिक रदी. खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया की बन्दा गुनाह करने के बाद माफी मांगने के लिये जब अल्लाह की तरफ पलटता है तो अल्लाह को अपने बन्दे के पलटने पर उस शख्स के मुकाबले मै ज्यादा खुशी होती है जिसने अपनी उंटनी जिस पर उसको जिन्दगी का दारोमदार था किसी बयाबान मै खो दी हो, फिर उसने अचानक पा लिया हो (तो वो उस उंटनी को पाकर जितना खुश होगा उसका अंदाजा नहीं किया जा सकता) ऐसे ही आदमी के तौबा करने पर अल्लाह खुश होता है, बल्कि अल्लाह की खुशी उसके मुकाबले मै बढी हुई होती है क्योंकि वो रहम व करम का सरचश्मा है.

2} मुस्लिम, रावी हज़रत अबू मूसा अशअरी रदी. खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया की अल्लाह तआला रात को अपना हाथ फैलाता है ताकि जिस शख्स ने दिन मै कोई गुनाह किया है वो रात मै अल्लाह की तरफ पलट आये, और दिन मै वो अपना हाथ फैलाता है ताकि रात मै अगर किसी ने गुनाह किया है तो वो दिन मै अपने रब की तरफ पलटे और गुनाहों

की माफी मांगे. अल्लाह तआला ऐसा ही करता रहेगा, यहां तक की सूरज मगरिब (पच्छिम) से निकल आये (यानी कयामत आ जाये). अल्लाह के हाथ फैलाने का मतलब ये है की वो अपने गुनेहगार बन्दे को बुलाता है की मेरी तरफ आ, मेरी रहमत तुझे अपने दामन मै लेने के लिये तैयार है, अगर तूने वकती तौर पर जज़्बात से हारकर रात मै कोई गुनाह कर दाला है तो दिन निकलते ही माफी मांग, अगर देर करेंगा तो शैतान तुझे अल्लाह से और दूर कर देंगा, और अल्लाह से दूर होना और होते जाना आदमी की तबाही है.

3} तिर्मेज़ी, रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर रदी. खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया की अल्लाह बन्दे की तौबा सांस उखडने से पहले तक कुबूल करता है. यानी अगर किसी ने अपनी सारी जिन्दगी गुनाह मै बसर की हो लेकिन मौत की बेहोशी से पहले उसने सच्ची तौबा करली तो सब गुनाह धुल जायेंगे, हां सांस उखड जाने के बाद जिसे सकरात की हालत कहते है, उस वकत अगर माफी मांगेगा तो उसको माफी नहीं मिलेगी. इसलिये जरूरी है की मौत देखने से पहले आदमी तौबा करले.

4} मुस्लिम, रावी हज़रत अगर बिन यासार रदी. खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया ऐ लोगो अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी चाहो, और उसकी तरफ पल्टो, मुझे देखो, मै दिन मै सौ-सौ बार अल्लाह से मगफिरत की दुआ करता हूं.

5} मुस्लिम, रावी हज़रत अवू जरर रदी. खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया की अल्लाह कहता है की ऐ मेंरे बन्दों मैने अपने उपर जुलम को हराम कर लिया है तो तुम भी एक दूसरे पर जुलम करने को हराम समझो ए मेंरे बन्दों, तुममे से हर एक गुमराह है उस शख्स के आलावा जिसको मै हिदायत दू तो मुझ से हिदायत की दुआ मांगो तो तुम्हे हिदायत दूंगा, ए मेंरे बन्दों तुममे से हर एक भूखा है उस शख्स आलावा जिसको मै खाना दू तो मुझ से रोज़ी मांगो मै तुम्हे खाना खिलाउंगा, ए मेंरे बन्दों तुममे से हर एक नंगा है उस शख्स आलावा जिसको मै पहनता हु तो मुझ से कपडे मांगो मै तुम्हे पेहनाउंगा, ए मेंरे बन्दों तुम रात मै और दिन मै गुनाह करते हो और मै सरे गुनाह माफ कर सकता हु तो मुझ से माफी मांगो मै तुम्हे माफ कर दूंगा.